

इसे वेबसाईट www.govtpressmp.nic.in
से भी डाउन लोड किया जा सकता है.



मध्यप्रदेश राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 40]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 27 जनवरी 2012—माघ 7, शक 1933

विधि और विधायी कार्य विभाग

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी 2012

क्र. 826-31-इक्कीस-अ(प्रा.).—मध्यप्रदेश विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम जिस पर दिनांक 25 जनवरी 2012 को महामहिम राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्द्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेश यादव, अपर सचिव.

मध्यप्रदेश अधिनियम

क्रमांक ७ सन् २०१२.

मध्यप्रदेश कृषि-उपज मण्डी (तृतीय संशोधन) अधिनियम, २०११.

विषय-सूची.

धाराएं :

१. संक्षिप्त नाम.
२. धारा २ का संशोधन.
३. धारा ६ का संशोधन.
४. धारा ११ का संशोधन.
५. धारा १९ का संशोधन.
६. धारा १९-ख का संशोधन.
७. धारा २१ का संशोधन.
८. धारा ३१ का संशोधन.

मध्यप्रदेश अधिनियम

क्रमांक ७ सन् २०१२.

मध्यप्रदेश कृषि-उपज मण्डी (तृतीय संशोधन) अधिनियम , २०११

[दिनांक २५ जनवरी, २०१२ को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हुई; अनुमति "मध्यप्रदेश राजपत्र (असाधारण)", में दिनांक २७ जनवरी, २०१२ को प्रथम बार प्रकाशित की गई.]

मध्यप्रदेश कृषि-उपज मण्डी अधिनियम, १९७२ को और संशोधित करने हेतु अधिनियम.

भारत गणराज्य के बासठवें वर्ष में मध्यप्रदेश विधान-मण्डल द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

संक्षिप्त नाम.

१. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मध्यप्रदेश कृषि-उपज मण्डी (तृतीय संशोधन) अधिनियम, २०११ है.

धारा २ का संशोधन.

२. मध्यप्रदेश कृषि-उपज मण्डी अधिनियम, १९७२ (क्रमांक २४ सन् १९७३) (जो इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट है) की धारा २ में, उपधारा (१) में,—

(एक) खण्ड (ख) में, शब्द "प्रसंस्करणकर्ता" जहां कहीं भी वह आया हो, के स्थान पर, शब्द "प्रसंस्करणकर्ता, विनिर्माता" स्थापित किए जाएं;

(दो) खण्ड (च) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किए जाएं, अर्थात्:—

"(चच) "विनिर्माता" से अभिप्रेत है कोई ऐसा व्यक्ति जो हाथ से या यांत्रिक साधनों द्वारा कृषि-उपज का विनिर्माण करता हो;

(चचच) "विनिर्माण" से उसके व्याकरणिक रूपभेदों तथा सजातीय पदों सहित अभिप्रेत है, अपरिष्कृत कृषि-उपज या उसके उत्पाद से, हाथ से या मशीनों द्वारा, उन्हें नया रूप, गुणवत्ता, विशेषता देकर या उनके सम्मिश्रण से, उपयोग के लिए वस्तुओं का उत्पादन;"

(तीन) खण्ड (ज) में, शब्द "प्रसंस्करणकर्ता" के स्थान पर, शब्द "प्रसंस्करणकर्ता, विनिर्माता" स्थापित किए जाएं;

(चार) खण्ड (त) में, शब्द "प्रसंस्करण" के स्थान पर, शब्द "प्रसंस्करण या विनिर्माण" स्थापित किए जाएं.

धारा ६ का संशोधन.

३. मूल अधिनियम की धारा ६ में,—

(एक) प्रथम परन्तुक में, खण्ड (ख) में, कोलन के स्थान पर, अर्धविराम स्थापित किया जाए और तत्पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाए, अर्थात्:—

"(ग) अनुसूची के भाग सात, तथा आठ में अधिसूचित कृषि उपज जो अधिसूचित मण्डी प्रांगण के बाहर क्रय की गई हो अथवा बेची गई हो;"

(दो) द्वितीय परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक स्थापित किया जाए, अर्थात्:—

"परन्तु यह और कि राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, उसमें विनिर्दिष्ट किए जाने वाले कारणों से, ऐसे मण्डी-क्षेत्र के सम्बन्ध में, जो कि अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किया जाए, उस छूट को प्रत्याहृत कर सकेगी जो कि पूर्ववर्ती परन्तुक के खण्ड (क) के उपखण्ड (दो) के अधीन दी गई हो. राज्य सरकार, अधिसूचना द्वारा, पूर्ववर्ती परन्तुक के खण्ड (ग) की बाबत् क्रय की गई अथवा बेची गई कृषि उपज के लिये भी छूट प्रत्याहृत कर सकेगी और निदेश जारी कर सकेगी, और इस प्रकार जारी किए गए निदेशों का अनुपालन किया जाना बन्धनकारी होगा."

४. मूल अधिनियम की धारा ११ में, उपधारा (१) में, खण्ड (ग) में, शब्द “प्रसंस्करण” के स्थान पर, शब्द “प्रसंस्करण या विनिर्माण” स्थापित किए जाएं। धारा ११ का संशोधन.
५. मूल अधिनियम की धारा १९ में,— धारा १९ का संशोधन.
- (एक) उपधारा (१) में,—
- (क) खण्ड (दो) में, शब्द “प्रसंस्करण” के स्थान पर शब्द “प्रसंस्करण या विनिर्माण” स्थापित किए जाएं;
- (ख) परंतुक में, शब्द “प्रसंस्करण” के स्थान पर शब्द “प्रसंस्करण या विनिर्माण” स्थापित किए जाएं;
- (दो) उपधारा (२) में, चतुर्थ परंतुक में, शब्द “प्रसंस्करण के लिए” के स्थान पर शब्द “प्रसंस्करण के लिए या विनिर्माण के लिए” स्थापित किए जाएं और शब्द “प्रसंस्करणकर्ता” जहां कभी भी आया हो, के स्थान पर, शब्द “प्रसंस्करणकर्ता या विनिर्माता” स्थापित किए जाएं;
- (तीन) उपधारा (४) में, प्रथम स्थान पर आने वाले शब्द “प्रसंस्कृत” के स्थान पर, शब्द “प्रसंस्कृत, विनिर्मित” स्थापित किए जाएं और द्वितीय स्थान पर आने वाले शब्द “प्रसंस्कृत” के स्थान पर शब्द “प्रसंस्कृत या विनिर्मित” स्थापित किए जाएं;
- (चार) उपधारा (५) में, शब्द “प्रसंस्करण” के स्थान पर, शब्द “प्रसंस्करण या विनिर्माण” स्थापित किए जाएं;
- (पांच) उपधारा (६) में, परंतुक में, शब्द “प्रसंस्कृत” के स्थान पर शब्द “प्रसंस्कृत या विनिर्मित” स्थापित किए जाएं
६. मूल अधिनियम की धारा १९-ख में, उपधारा (१) में, शब्द “प्रसंस्करण” के स्थान पर, शब्द “प्रसंस्करण या विनिर्माण” स्थापित किए जाएं। धारा १९-ख का संशोधन.
७. मूल अधिनियम की धारा २१ में, उपधारा(१) में, शब्द “प्रसंस्करणकर्ता” के स्थान पर, शब्द “प्रसंस्करणकर्ता, विनिर्माता” स्थापित किए जाएं। धारा २१ का संशोधन.
८. मूल अधिनियम की धारा ३१ में, शब्द “दबाने (प्रेसिंग)” के स्थान पर, शब्द “विनिर्माण” स्थापित किए जाएं। धारा ३१ का संशोधन.

भोपाल, दिनांक 27 जनवरी, 2012

क्र. 827-31-इक्कीस-अ(प्रा.).— भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी (तृतीय संशोधन) अधिनियम, 2011 (क्रमांक 7 सन् 2012) का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राजेश यादव, अपर सचिव.

MADHYA PRADESH ACT

No. 7 OF 2012.

**THE MADHYA PRADESH KRISHI UPAJ MANDI (TRITIYA SANSHODHAN)
ADHINIYAM, 2011.**

TABLE OF CONTENTS

Sections :

1. Short title.
2. Amendment of Section 2.
3. Amendment of Section 6.
4. Amendment of Section 11.
5. Amendment of Section 19.
6. Amendment of Section 19-B.
7. Amendment of Section 21.
8. Amendment of Section 31.

MADHYA PRADESH ACT

No. 7 OF 2012.

**THE MADHYA PRADESH KRISHI UPAJ MANDI (TRITIYA SANSHODHAN)
ADHINIYAM, 2011.**

[Received the assent of the Governor on the 25th January, 2012; assent first published in the "Madhya Pradesh Gazette (Extra-ordinary)", dated the 27th January, 2012.]

An Act further to amend the Madhya Pradesh Krishi Upaj Mandi Adhiniyam, 1972.

Be it enacted by the Madhya Pradesh Legislature in the Sixty second year of the Republic of India as follows:—

Short title.

1. This Act may be called the Madhya Pradesh Krishi Upaj Mandi (Tritiya Sanshodhan) Adhiniyam, 2011.

**Amendment of
Section 2.**

2. In Section 2 of the Madhya Pradesh Krishi Upaj Mandi Adhiniyam, 1972 (No.24 of 1973) (hereinafter referred to as the Principal Act), in sub-section (1),—

- (i) in clause (b), for the word "processor" wherever it occurs, the words "processor, manufacturer" shall be substituted;
- (ii) after clause ((f), the following clauses shall be inserted, namely :—
 - “(ff) “manufacturer” means a person who manufactures agricultural produce by manual or mechanical means;
 - (fff) “manufacturing” with its grammatical variations and cognate expressions means the production of articles for use from raw agricultural produce or its product, by giving them new forms, qualities, properties or combinations, whether by hand-labour or by machinery;”;
- (iii) in clause (j), for the words “a processor”, the words “a processor, a manufacturer” shall be substituted;
- (iv) in clause (p), for the word “processing”, the words “processing or manufacturing” shall be substituted.

3. In Section 6 of the principal Act,— **Amendment of Section 6.**
- (i) in the first proviso, in clause (b), for the colon, the semi-colon shall be substituted and thereafter the following clause shall be inserted, namely :—
- “(c) agricultural produce notified in Part VII and VIII of the Schedule which is purchased or sold outside the notified market yard :”;
- (ii) for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—
- “Provided further that the State Government may, by notification, for reasons to be specified therein, withdraw the exemption in respect to such market area as may be specified in the notification under sub-clause (ii) of clause (a) of the preceding proviso. The State Government may also, by notification, withdraw the exemption and issue directives for the agricultural produce purchased or sold with respect to clause (c) of the preceding proviso, and the directives so issued would be bound to be complied with.”.
4. In Section 11 of the Principal Act, in sub-section (1), in clause (c), for the word “processing”, the words “processing or manufacturing” shall be substituted. **Amendment of Section 11.**
5. In Section 19 of the Principal Act,— **Amendment of Section 19.**
- (i) in sub-section (1),
- (a) in clause (ii), for the word “processing” the words “processing or manufacturing” shall be substituted;
- (b) in the proviso, for the word “processing” the words “processing or manufacturing” shall be substituted;
- (ii) in sub-section (2), in the fourth proviso, for the words “for processing”, the words “for processing or for manufacturing” shall be substituted and for the word “processor” wherever it occurs, the words “processor or manufacturer” shall be substituted;
- (iii) in sub-section (4), for the word “processed” occurring at the first place, the words “processed, manufactured” shall be substituted and for the word “processed” occurring at the second place, the words “processed or manufactured” shall be substituted;
- (iv) in sub-section (5), for the word “processing”, the words “processing or manufacturing” shall be substituted;
- (v) in sub-section (6), in the proviso, for the word “processed”, the words “processed or manufactured” shall be substituted.
6. In Section 19-B of the Principal Act, in sub-section (1), for the word “processing”, the words “processing or manufacturing” shall be substituted. **Amendment of Section 19-B.**
7. In Section 21 of the Principal Act, in sub-section (1), for the word “processor”, the words “processor, manufacturer” shall be substituted. **Amendment of Section 21.**
8. In Section 31 of the Principal Act, for the word “pressing”, the word “manufacturing” shall be substituted. **Amendment of Section 31.**